राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 446

26 नवम्बर, 2014 को उत्तर के लिए

इस्पात उत्पादन में वृद्धि के उपाय

446. डा. भालचन्द्र मुणगेकरः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान देश में वर्ष-वार कितना इस्पात उत्पादन हुआ है;

(ख) विगत पांच वर्ष के दौरान इस्पात क्षेत्र में सार्वजनिक क्षेत्र तथा निजी क्षेत्र द्वारा किए गए निवेश के वर्ष-वार आंकड़े क्या हैं; और

(ग) सरकार इस्पात उत्पादन में वृद्धि हेतु क्या उपाय करने का विचार रखती है?

उत्तर

इस्पात और खान राज्य मंत्री **श्री विष्णु देव साय**

(क) गत पांच वर्षो के दौरान भारत में क्रूड इस्पात के उत्पादन के आंकड़े नीचे तालिका में दिये गये है:-

वर्ष	भारत : क्रूड इस्पात का उत्पादन (मिलियन टन अथवा एमटी)
2009-10	65.84
2010-11	70.67
2011-12	74.29
2012-13	78.42
2013-14	81.69
स्रोत : संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी)	

(ख) गत पांच वर्षो के दौरान इस्पात क्षेत्र में सार्वजनिक निवेश के वर्ष-वार आंकड़े नीचे दिये गये है :-

वर्ष	*सेल द्वारा निवेश (धनराशि करोड़ रूपये में)	*आरआईएनएल द्वारा निवेश (धनराशि करोड़ रूपये में)
2009-10	10606	2278.20
2010-11	11280	2901.99
2011-12	11021	1896.45
2012-13	9731	1287.43
2013-14	9890	1512.06
स्रोत : ***स्टील अॅथारिटी ऑफ इंडिया (सेल)** ****राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल)**		

इस्पात एक नियंत्रण मुक्त क्षेत्र है और निजी क्षेत्र में प्रचालनाधीन इस्पात संयंत्रों के निवेश के ब्यौरे सरकार द्वारा नही रखें जाते है।

(ग) सरकार ने इस्पात के उत्पादन को बढ़ाने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए है:-

(i) इस्पात क्षेत्र में विभिन्न निवेश परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने और प्रभावी समन्वय स्थापित करने के लिए इस्पात मंत्रालय में एक अंतर मंत्रालयीन समूह (आईएमजी) का गठन किया गया हैं।

(ii) इस्पात क्षेत्र समेत विनिर्माण/अवसंरचना क्षेत्र में 1000 करोड़ रूपये अथवा इससे अधिक के निवेश वाली परियोजनाओं के लिए विभिन्न स्वीकृतियों में तेजी लाने/इनमें विलम्ब करने वाले मुद्दों का समाधान करने के लिए मंत्रिमण्डल सचिवालय के अधीन एक परियोजना निगरानी समूह (पीएमजी) का गठन किया गया हैं।

(iii) घरेलू इस्पात उद्योग के लिए लौह अयस्क की उपलब्धता सुधारने और घरेलू मूल्य वर्धन बढ़ाने के लिए लौह अयस्क के निर्यात पर शुल्क बढ़ाकर 30 प्रतिशत किया गया है। हाल ही में सरकार ने लौह अयस्क पैलेटों के निर्यात पर यथा मूल्य 5 प्रतिशत की दर से निर्यात शुल्क लगाया है।

(iv) वर्ष 2014-15 के केंद्रीय बजट में स्टेनलेस स्टील के चपटे उत्पादों पर सीमा शुल्क की दर 5 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.5 प्रतिशत की गई है।

***